माँ क्यू हमको रुलाए

मा नौ दिन बनी दुल्हनिया , जिनकी सेवा में दुनिया -2
होके चली है तू विदा , हमको रही क्यु रुला
मां तू हमको रुलाए , क्यों हमको पराया बनाए

नवरात्रि में 9 दिन मैया , सारे रूप दिखाएं
कन्या बनकर घर-घर तू ही , कन्या भोजन खाए
आके फिर न जा , हाथ ना ऐसे छुड़ा
मां तू हमको रुलाए ,क्यों हमको पराया बनाए

रोते रोते भक्त तुम्हारे , तेरी करें विदाई
तेरी आरती करते मैया , आँख मेरी भर आई
लेना लकी को चुपा , और न ऐसे तड़पा
मां तू हमको रुलाए ,क्यों हमको पराया बनाए

मा नौ दिन बनी दुल्हनिया , जिनकी सेवा में दुनिया -2
होके चली है तू विदा , हमको रही क्यु रुला
मां तू हमको रुलाए , क्यों हमको पराया बनाए

Writer - Niranjan sen

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/33936/title/maa-kyu-hamko-rulaye

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |